

IIT इंदौर में टिकरर्स लैब का उद्घाटन इसमें छात्र खुद बना सकेंगे उत्पाद

24x7 खुली रहेगी, इससे एसटीईएम शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में सोमवार को टिकरर्स लैब का उद्घाटन किया गया। इसका नाम पद्मश्री प्रोफेसर दीपक बी. फाटक के नाम पर रखा गया है, जो डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत के पथ प्रदर्शक हैं। उद्घाटन प्रो. दीपक फाटक ने किया। मेकर भवन फाउंडेशन (एमबीएफ) और देसाई सेठी फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित टिकरर्स लैब ऐसी सुविधा है, जिसमें छात्र खुद उत्पाद बना सकेंगे।

यह लैब आईआईटी इंदौर से जुड़े छात्रों, शिक्षकों के लिए 24x7 खुली रहेगी। मुख्य अतिथि आईआईटी इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के पूर्व चेयरमैन प्रो. दीपक बी. फाटक थे। उनके साथ



मेकर भवन फाउंडेशन के अध्यक्ष और संस्थापक डॉ. हेमंत कनकिया और देसाई सेठी फाउंडेशन के भरत देसाई भी मौजूद थे।

प्रो. फाटक ने छात्रों को एक इंजीनियर के रूप में खुद काम करके सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा टिकरर्स लैब आईआईटी के छात्रों की योग्यता का प्रतीक है। यह इनोवेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ावा देगी। यहां विद्यार्थी जो प्रोडक्ट

प्रोटोटाइप बनाएंगे, वे किसी एक पाठ्यक्रम से संबंधित नहीं, बल्कि कल्पनात्मक विचारों और रचनात्मक प्रतिभा को साकार रूप देंगे। यहां की उपलब्धि भविष्य में सफल उद्यमी बनने की दिशा में उठाए छोटे कदम हो सकती है। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा 'टिकरर्स लैब का उद्घाटन अगली पीढ़ी के इंजीनियरों को विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'